Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

भारत लोग और अर्थव्यवस्था

कक्षा -12

अध्याय -2

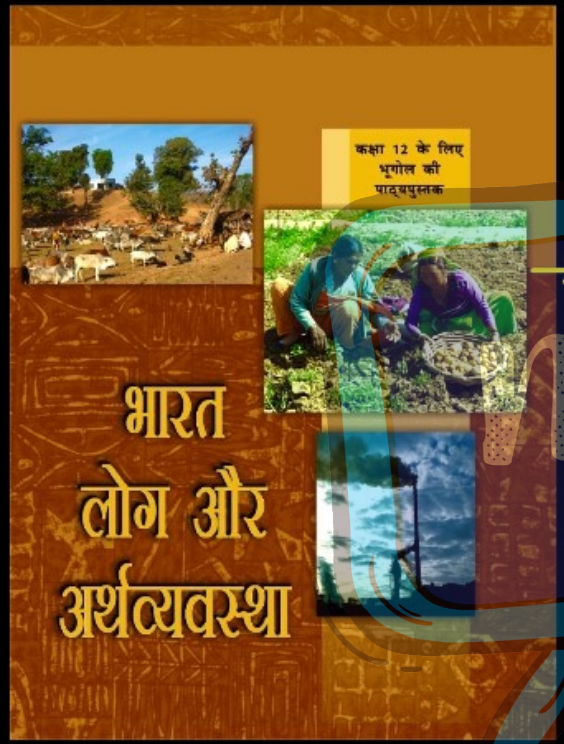
मानव बस्तियाँ

भाग - 3

पंकज वैष्णव

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



विषय-सूची

	आमुख	iii
	पाठ्यपुस्तकों में पाठ्य सामग्री का पुनर्संयोजन	v
	इकाई I	
1.	जनसंख्या : वितरण, घनत्व, वृद्धि और संघटन	1-14
	इकाई II	
2.	मानव बस्तियाँ	15-20
	इकाई III	
3.	भूसंसाधन तथा कृषि	21-40
4.	जल-संसाधन	41-52
5.	खनिज तथा ऊर्जा संसाधन	53-64
6.	भारत के संदर्भ में नियोजन और सततपोषणीय विकास	65-73
	इकाई IV	
7.	परिवहन तथा संचार	74-83
8.	अंतर्राष्ट्रीय व्यापार	84-92
	इकाई V	
9.	भौगोलिक परिप्रेक्ष्य में चयनित कुछ मुद्दे एवं समस्याएँ	93-103
	परिशिष्ट	104-111
	शब्दावली	112
	संदर्भ पुस्तकें	113-114

© NCERT not to be republished

C-2 : प्रवास - प्रकार, कारण, परिणाम ✗
C-3 : मानव विकास ✗
C-4 : निर्माण उद्योग ✗

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q :- निम्न में से ग्रामीण - बस्तियों के प्रकार है :-

(a) गुच्छित

(b) अर्द्ध - गुच्छित

(c) पल्ली

(d) परिक्षिप्त

(e) उपर्युक्त सभी

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

Q:- पल्ली बस्तियों के अन्य नाम हैं:-

(a) पान्ना ✓
(b) पाडा ✓
(c) नगला ✓
(d) ढाणी ✓
(e) उपर्युक्त सभी ✓



mg

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

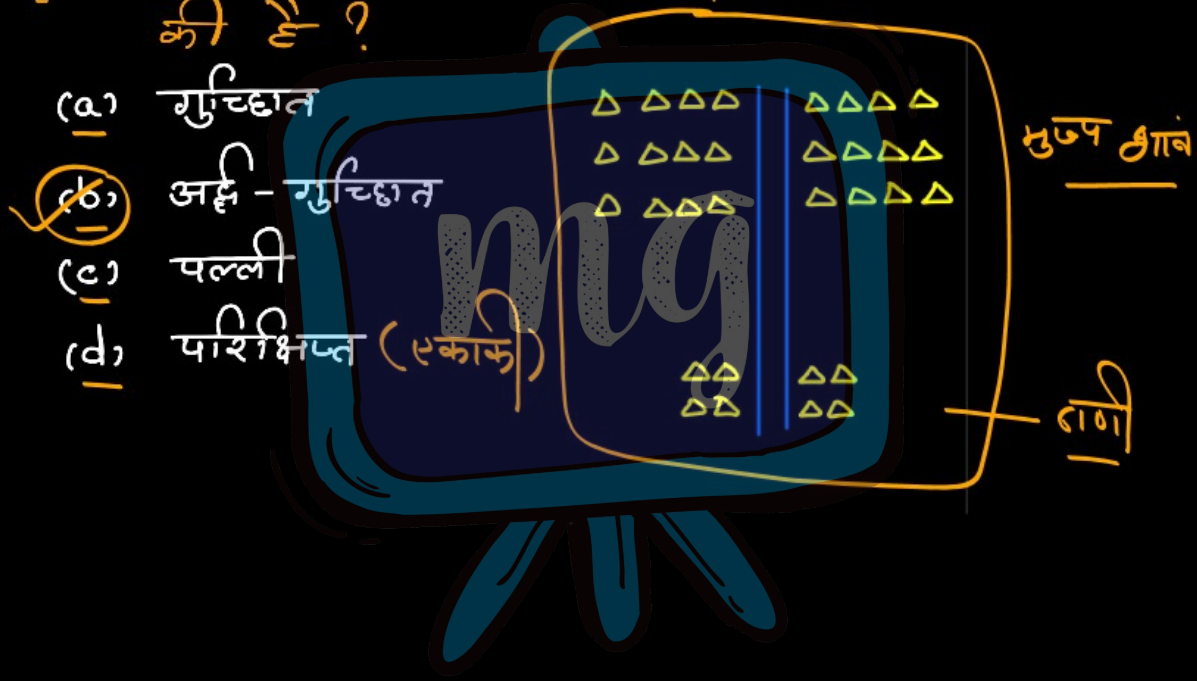
Q:- निम्न ग्रामीण बस्ती किस प्रकार की है?

(a) गुच्छित

(b) अर्द्ध - गुच्छित

(c) पल्ली

(d) परिक्षिप्त (एकाकी)



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

Q:- ग्रामीण बस्तियों के वर्गीकरण का आधार है :-

(a) निर्मित क्षेत्र का विस्तार
(b) घरों के बीच की दूरी
(c) उपरोक्त दोनों
(d) उपरोक्त दोनों में से कोई नहीं

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q :- निम्न में से कौन-सी विशेषता सामान्यत : ग्रामीण बस्ती से जुड़ी हुई नहीं है ?

(a) प्राथमिक क्रियाओं की प्रधानता ✓

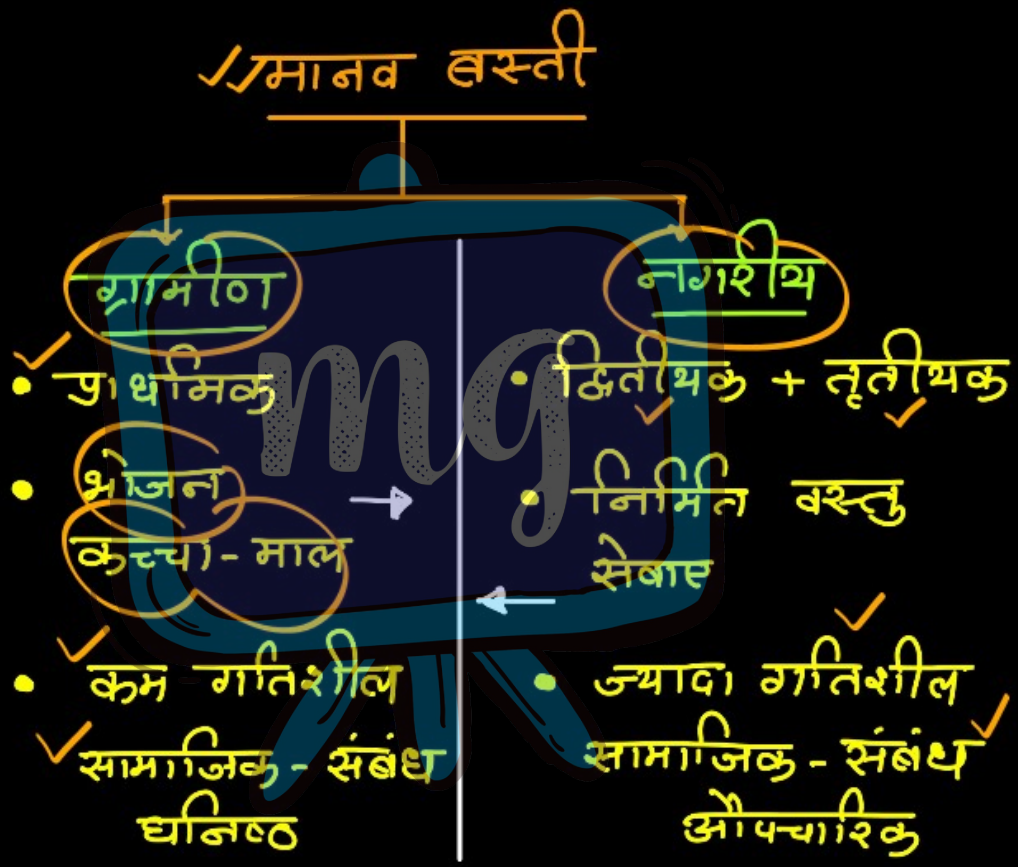
(b) कम गतिशीलता ✓

(c) सामाजिक संबंधों में औपचारिकता

(d) उपरोक्त में से कोई नहीं

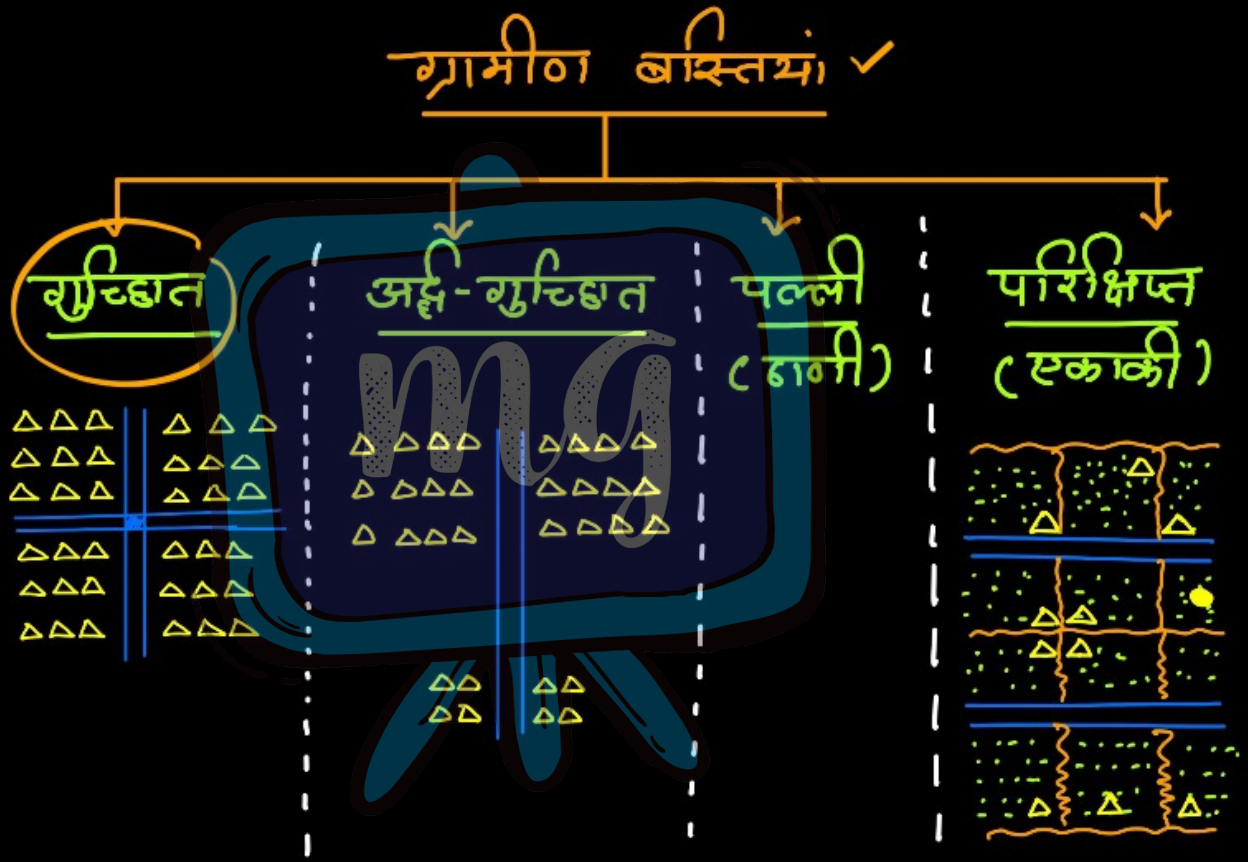
Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

नगरीय बस्तियाँ

ग्रामीण बस्तियों के विपरीत नगरीय बस्तियाँ सामान्यतया संहत तथा विशाल आकार की होती है। ये बस्तियाँ अनेक प्रकार के अकृषि, आर्थिक और प्रशासकीय प्रकार्यों में संलग्न होती है।

2011 की जनगणना के अनुसार नगर

1. → 5000 से अधिक जनसंख्या
2. → 400 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर से अधिक घनत्व
3. → 75% से अधिक कार्यशील पुरुष गैर-प्राथमिक क्षेत्र में कार्यरत हो

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

भारत में नगरों का विकास

- सिन्धु घाटी सभ्यता से ही हड़प्पा व मोहनजोदड़ो नगर अस्तित्व में थे।
- विभिन्न युगों में उनके विकास के आधार पर भारतीय नगरों को तीन भागों में बाँटा जा सकता है-
  - प्राचीन नगर
  - मध्यकालीन नगर
  - आधुनिक नगर

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



1. **प्राचीन नगर** – वाराणसी, प्रयाग, पाटलीपुत्र (पटना) जैसे नगरों का विकास धार्मिक एवं सांस्कृतिक केन्द्रों के रूप में हुआ।
2. **मध्यकालीन नगर** – दिल्ली, जयपुर, आगरा, हैदराबाद, जैसे नगरों का विकास राज्यों एवं रजवाड़ों के मुख्यालयों के केन्द्र के रूप में हुआ।
3. **आधुनिक नगर** – अंग्रेजों द्वारा तटीय क्षेत्रों में सूरत, दमन, गोआ, पुडुचेरी तथा मुम्बई, चेन्नई, कोलकाता, जमशेदपुर (औद्योगिक नगर) विकसित किये। स्वतंत्रता पश्चात प्रशासनिक केन्द्र चंडीगढ़, भुवनेश्वर, गाँधीनगर, दिसपुर तथा औद्योगिक केन्द्र दुर्गापुर, भिलाई, सिंदरी, बरौनी आदि विकसित हुए।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



नगरों का प्रकार्यात्मक वर्गीकरण

- समस्त नगर अपने आकार, स्थिति, बसाव, कार्य आदि की दृष्टि से एक-दूसरे से भिन्न होते हैं-
- कुछ नगरों को कुछ निश्चित कार्यों में विशिष्टता प्राप्त होती है। उन्हें कुछ विशिष्ट क्रियाओं, उत्पादन अथवा सेवाओं के लिए जाना जाता है।

प्रशासन नगर : नई दिल्ली, चंडीगढ़, जयपुर, गाँधी नगर, इंफाल, चेन्नई आदि।

औद्योगिक नगर : उद्योगों के कारण विकसित नगर जैसे- मुम्बई, सलेम, जमशेदपुर, हुगली, भिलाई आदि।

परिवहन नगर : कांडला, कोच्चि, विशाखापट्टनम जैसे पत्तन नगर एवं धुलिया, मुगलसराय, कटनी जैसे आंतरिक परिवहन के केन्द्र।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



खनन नगर : समृद्ध खनिज क्षेत्रों में विकसित नगर जैसे- रानीगंज, झरिया आदि।

वाणिज्यिक नगर : वाणिज्य एवं व्यापार में विशिष्टता प्राप्त नगर जैसे- कोलकाता, सतना, सहारनपुर आदि।

धार्मिक और सांस्कृतिक नगर : पुष्कर, वाराणसी, मथुरा आदि।

शैक्षिक नगर : पिलानी, अलीगढ़, रुढ़की, इलाहाबाद, कोटा आदि।

पर्यटन नगर : नैनीताल, मसूरी, शिमला, आउंट आबू आदि।

गैरीसन (छावनी) नगर : अंबाला, जालंधर, महू, उधमपुर आदि। इनका विकास सैनिक छावनियों के रूप में हुआ है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



स्मार्ट सिटी मिशन

स्मार्ट सिटी मिशन का उद्देश्य शहरों को बढ़ावा देना है जो आधारभूत सुविधा, साफ तथा सतत पर्यावरण और अपने नागरिकों को बेहतर जीवन प्रदान करते हैं। स्मार्ट शहरों की एक विशेषता आधारभूत सुविधाओं और सेवाओं के लिए स्मार्ट समाधानों को लागू करना है। जिससे क्षेत्रों को प्राकृतिक आपदाओं के कम जोखिम वाले क्षेत्रों के रूप में बनाया जा सके, साथ ही साथ कम संसाधनों का उपयोग तथा सस्ती सुविधाएँ उपलब्ध कराई जा सकें। इस योजना में सतत तथा समग्र विकास पर ध्यान केंद्रित किया गया है। इस योजना का उद्देश्य एक ऐसे सघन क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित करना है जो एक मॉडल के रूप में अन्य बढ़ते हुए शहरों के लिए लाइट हाऊस का काम करे।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

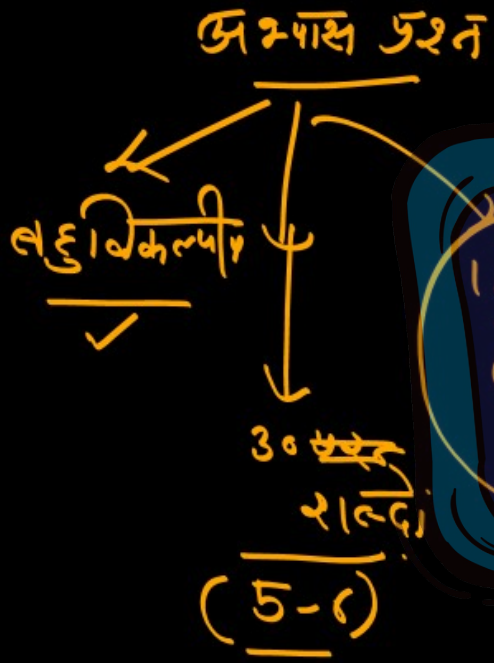
तालिका 2.1 : भारत – नगरीकरण की प्रवृत्तियाँ 1901-2011

वर्ष	नगरों/नगरीय संकुलों की संख्या	नगरीय जनसंख्या (हजारों में)	कुल नगरीय जनसंख्या का %	दशकीय वृद्धि (%)
1901	1,827	25,851.9	10.84	—
1911	1,815	25,941.6	10.29	0.35
1921	1,949	28,086.2	11.18	8.27
1931	2,072	33,456.0	11.99	19.12
1941	2,250	44,153.3	13.86	31.97
1951	2,843	62,443.7	17.29	41.42
1961	2,365	78,936.6	17.97	26.41
1971	2,590	1,09,114	19.91	38.23
1981	3,378	1,59,463	23.34	46.14
1991	4,689	2,17,611	25.71	36.47
2001	5,161	2,85,355	27.78	31.13
2011*	6,171	3,77,000	31.16	31.08

स्रोत: भारत की जनगणना, 2011, http://www.censusindia.gov.in (अंतरिम)

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER



प्रश्न 1. नीचे दिए गए चार विकल्पों में से सही उत्तर को चुनिए।

(i) निम्नलिखित में से कौन-सा नगर नदी तट पर अवस्थित नहीं है-

(क) आगरा — यमुना।

(ख) भोपाल

(ग) पटना — गंगा

(घ) कोलकाता — हुगली

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

(ii) भारत की जनगणना के अनुसार निम्नलिखित में से कौन-सी विशेषता नगर की परिभाषा का अंग नहीं है-

(क) जनगणना घनत्व 400 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी.

(ख) नगरपालिका, निगम का होना

(ग) 75 से अधिक जनसंख्या का प्राथमिक खण्ड में संलग्न होना

(घ) जनसंख्या आकार 5000 व्यक्ति से अधिक

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



(iii) निम्नलिखित में से किस पर्यावरण में परिक्षिप्त ग्रामीण बस्तियों की अपेक्षा नहीं की जा सकती-

(क) गंगा का जलोढ़ मैदान

(ख) राजस्थान के शुष्क और अर्ध-शुष्क क्षेत्र

(ग) हिमाचल की निचली घाटियाँ

(घ) उत्तर-पूर्व के वन और पहाड़ियाँ

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

प्रश्न 2. निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर लगभग 30 शब्दों में दें।

(i) गैरिसन नगर क्या होते हैं? उनका क्या प्रकार्य होता है?

उत्तर – गैरिसन नगर या छावनी नगर की स्थापना सैन्य सम्बन्धी कार्यों के सम्पादन हेतु की जाती है। इन नगरों को कैण्ट या कैण्टोनमेन्ट भी कहा जाता है। इन नगरों में सैनिक अभ्यास, प्रशिक्षण, कार्यालय तथा सेना सम्बन्धी अन्य कार्य मुख्य रूप से किये जाते हैं। अंबाला, जालंधर, महू, बबीना तथा ऊधमपुर भारत के प्रमुख गैरिसन नगर हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

(ii) मरुस्थलीय प्रदेशों में गाँवों की अवस्थिति के कौन-से मुख्य कारक होते हैं?

उत्तर – मरुस्थलीय प्रदेशों में गाँवों की अवस्थिति में जल उपलब्धता सर्वाधिक महत्वपूर्ण तथा प्रभावशाली कारक होता है। इसके अलावा कृषि योग्य भूमि की उपलब्धता तथा जलवायु दशाएँ भी मरुस्थलीय प्रदेशों में गाँवों की अवस्थिति को प्रभावित करती हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

प्रश्न 3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 150 शब्दों में दें।

(i) विभिन्न प्रकार की ग्रामीण बस्तियों के लक्षणों की विवेचना कीजिए। विभिन्न भौतिक पर्यावरणों में बस्तियों के प्रारूपों के लिये मुख्य रूप से उत्तरदायी कारक कौन-से हैं?

उत्तर - विभिन्न प्रकार की ग्रामीण बस्तियाँ तथा उनके लक्षण : वृहत् तौर पर भारत में निम्नलिखित चार प्रकार की ग्रामीण बस्तियाँ मिलती हैं-

(1) गुच्छित बस्तियाँ (2) अर्द्ध गुच्छित बस्तियाँ (3) पल्लीकृत बस्तियाँ (4) परिक्षिप्त या एकाकी बस्तियाँ

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

1. **गुच्छित बस्तियों के लक्षण :** गुच्छित बस्तियों के निम्नलिखत लक्षण होते हैं-

(i) ये बस्तियाँ घरों के एक संहत अथवा संकुलित रूप को प्रदर्शित करती हैं।

(ii) घरों का संकुलित निर्मित क्षेत्र तथा इनके मध्य में मिलने वाले रास्ते या गलियाँ आयताकार, अरीय तथा रैखिक प्रारूप या आकृति प्रस्तुत करते हैं।

(iii) इस प्रकार की बस्तियाँ प्रायः उपजाऊ जलोढ़ मैदानी भागों में मिलती हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

2. **अर्द्ध-गुच्छित बस्तियों के लक्षण :** अर्द्ध-गुच्छित बस्तियों के निम्नलिखित लक्षण होते हैं-

(i) यह बस्तियाँ किसी एकाकी बस्ती के किसी सीमित क्षेत्र में गुच्छित होने की प्रवृत्ति का परिणाम होती हैं।

(ii) सामान्यतया इस प्रकार की बस्ती किसी बड़े संहत गाँव के विखण्डन के कारण भी निर्मित हो सकती हैं।

3. **पल्लीकृत बस्तियों के लक्षण :** पल्ली बस्तियाँ प्रायः सामाजिक व मानव जातीय कारकों के कारण किसी विशाल गाँव के भौतिक रूप से एक-दूसरे से पृथक् होने से निर्मित होती हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

4. एकाकी बस्तियों के लक्षण : ये बस्तियाँ सुदूर जंगलों में अथवा छोटी पहाड़ियों के ढालों पर खेतों अथवा चारागाहों में एकाकी रूप में मिलती है। इन बस्तियों का विकास निवास क्षेत्र के भूमि संसाधनों की अत्यधिक विखण्डित प्रकृति के कारण होता है।

विभिन्न भौतिक पर्यावरणों में बस्तियों के प्रारूपों के लिए उत्तरदायी कारक

विभिन्न भौतिक पर्यावरणों में बस्तियों के लिए प्रारूपों के लिए उत्तरदायी कारक निम्नलिखित हैं-

(i) भौतिक कारक : धरातलीय स्वरूप, जलवायु, जल की उपलब्धता एवं मृदा आदि।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

(ii) सांस्कृतिक एवं मानव जनित कारक : सामाजिक संरचना, जाति एवं धर्म आदि।

(iii) सुरक्षा सम्बन्धी कारक : चोरियों एवं डकैतियों आदि से सुरक्षा



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

(ii) क्या एक प्रकार्य वाले नगर की कल्पना की जा सकती है? नगर बहुप्रकार्यात्मक क्यों हो जाते हैं?

उत्तर - कुछ नगरों और शहरों को किसी विशेषीकृत प्रकार्य में विशिष्टता प्राप्त होती है तथा उसे उस विशिष्ट प्रकार्य के लिए जाना जाता है लेकिन नगर को जीवित रखने के लिए उस विशिष्ट प्रकार्य के साथ अन्य कुछ विशिष्ट प्रकार्यों को भी करना पड़ता है। उदाहरण के लिये एक परिवहन नगर में परिवहन प्रकार्य सर्वाधिक महत्वपूर्ण हो सकता है लेकिन परिवहन नगर में परिवहन कार्य के साथ-साथ प्रशासनिक, औद्योगिक, वाणिज्यिक, शैक्षणिक तथा चिकित्सा कार्य भी गौण रूप में अनिवार्य रूप से देखने को मिलते हैं। वस्तुतः एक प्रकार्य वाले नगर की कल्पना नहीं की जा सकती है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

नगर बहुप्रकार्यात्मक क्यों हो जाते हैं? : किसी विशिष्ट नगर के जनम के लिए कोई एक प्रकार्य उत्तरदायी हो सकता है लेकिन जब एक बार नगर स्थापित हो जाता है तो उसे अपना अस्तित्व कायम रखने के लिए सार्वजनिक प्रशासन, वित्तीय, चिकित्सा सम्बन्धी, परिवहन सम्बन्धी, शिक्षा सम्बन्धी, जनोपयोगी सेवा सम्बन्धी तथा बाजार व वाणिज्य सेवा सम्बन्धी अनेक प्रकार्यों का संचालन करन होता है। इसी कारण प्रत्येक नगर बहुप्रकार्यात्मक कार्यों का निष्पादन करने लगता है। वस्तुतः नगरों के विकास होते जाने पर उनके प्रकार्य इतने अंतर्गन्थित हो जाते हैं कि नगर को किसी विशेष प्रकार्य वर्ग में वर्गीकृत नहीं किया जा सकता है।